# The finina Churty. 

A Weekly Record of its News, its Work, and its Thought.

$\qquad$

THE EANTER NCMBER
THE LIVING ('HURCH
$\qquad$

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |



peare that passeth understanding."
thought or language reach the peace
ated with great respect. (iregory left
$\underset{\substack{\text { pronit } \\ \text { That it } \\ \text { ciall } \\ \text { cill }}}{ }$
death approaches, that the night comethhim who is set over you in the Lord.-Rer.
D. D. Chapin, rector of the church of thestood a comfortable house, where dwelt a
humble dyer, Jacopo Benincasa, and his
wife
year creasing number of
in soul culture. We welcome it with a
warmth proportioned to the number of timeslittle Catherine, by nature a peculiarlytigions and solitary child. She lived an im-of the sacred martyrs whose pictures shehad seen in the churches, and whose history
she well knew. She prayed that she, likethe devout St. Catherine of Alexandria,
might be espoused to the Christ, and shewillingly gave her whole heart to Him whenno earthly husband. As she grew oldsuitors came to claim her hand, and her pa
rents desired her to accept one whom theyrents desired her to accept one whom they
deemed worthy; but she, refusing to complywhith their wishes, made known her vow
which was very displeasing to them. Lapaismissed her woman servant, and upon thopointed her, and the little room which shhad used for a refuge where she might pray
and meditate, was taken from her, until shesays that she was compelled to make
within her heart a cell or oratory, whereshe could retire amidst her occupations, ani
hold communion with God, while none
$\qquad$
$\qquad$atherine have always been a popular stud
in art. Lapa, the mother of the saint, longTHE SACRED SYMBOLISM OF CO
Often in the hot noontide of life and the
upward climbing of the steep hillside, comethe cry of weariness: "Thell me, O Thou
Whom my soul lovest, where makest ThouThy flock to rest at noon?" (Song 1. 7 .)
And the Good Shepherd answers in worilthat bring refreshment with their verysound. I will make thee to lie downof comfort (Psa. xxiii. 2). The refreshinggrass and cool foliage that rests our eyessummer is a fit symbol of the peace thatcomforts our hearts when we follow wherIe leads, aid lay all our burdens on Him
Here again, as in our other type colorsown language. It is not wanting among
those "set in gold,"" that are bound closelyover the heart by "the lace of blue" (Exchildren trust in Him and take of His peaceand says, "Some of My beloved ones, throughhe tempest of doubt, despair and trial findon My breast, showing what My and quieWhenearth, God, in His loving mercy, shows to
Noah the rainbow, and says, "The -Bow


as wild animinals in thesese days: iand srisible to ford the rivers, he sometimes swa
across, with a rope to prevent him from
ing carried away. Throngh others, he re
on the broad shoulders of a willing natiprevent him from being carried over in cas
his bearer should fall. This experience wa
often repeated three or four times a day
climbed slippery precipices, and frequent
preached in wind and rain, with all his ga
ments saturated. On every occasion he rekind and friendly, that, when he used
sleep in the woods at night, he hung hi
watch on a tree, knowing that it was perfectly safe from pilfering or curious touch
Indeed, the Christian teachers seem to have
Before the end of that year, Mr. Coan hadmade the circuit of Hawaii, a foot and canoefered canoe-wreck twice. In all, he has ad-tism, 12,000 nersons besides 4,000 infantsgreat baptism. The greatest care was previously taken in selecting, teaching, watch
$\qquad$from the distant villages came and spent
several months here for preliminary intwo years' standing; a larger class had bee
cepted candidates wereer period. The ac
$\qquad$tify all that they knew about them. On thefirst sunday in July, 1838, 1,705 persons, formerly heathens, were baptized. They wer
seated close thenrows, with just space between for onethrough them, sprinkled every bowed heading hundreds into the fellowship of the Universal Church, by pronouncing the wordsand of the Son, and of the Holy Ghost. After this 2,400 converts received the Holy
Communion. I give Mr. C's own wordsput
to
to
handkerchief is twi
to a home and the very atmosphere of that
home gradually clanges. It becomes clearer,
purer, more chieertul.

|  |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |



The the way to tep monts fom wollen

 ..... sung nuloo
Hitus or ourifeper, ianim


and

con
comid
and hive




tite
lition
 ..... 

| STORIES ABOUT THE WONDERFUL | $\begin{array}{l}\text { of the saints and the holy angels, and } \\ \text { she bade them name the Name }\end{array}$ |
| :--- | :--- |
| KINGDOM.. |  | she bate them name the Name of Jesus

with theitest breath. Then her courage failed her, she hid her face upon her children's shoulders and cried so bitterly
that the soldiers, lest they should not be able to perform their cruel duty, dragged
the boys from her.
They carried them with their grandThey carried them with their grand-
mother in a palan'uin to the place of
execution, and the old woman saw her
darlings killed before her darlings killed before her eyes, and
then her turn came, and she went to join
those she had loved on earth.
Then there was a boy, called James, Then there was a boy, called James,
of not more than eleven years old, and a
girl, named Magdalene, and these chil- a
dren kissed the stakes upon which they ig of a music hall. Mr. Crowder, one
the the proprietors of the hall, possesssed hich was well known to the frequenters

## WORTHY

Of Confidence. AYER'S Sarsaparillais amenicicine that, SARSAPARILLA

IS


ONL

THOROUGHLY

RELIABLE

BLOOD

PURIFYING

MEDICINE $\qquad$

Ayer's Sarsaparilla
W.W. Kimball Co.,

ORGANS!
PIANO-FORTES!

State \& Adams Sts.
Rockwell and Twenty-Sixth Sts.


MERIT SOON NOISED ABROAD.

##  <br> It Contains no Opium in Any Form. <br> Mothers. Have you dellicate, weakly children  Phystclans who have falled to cure thetr patents should ery many valuable lives have been saved by being per ded to kive ita trinl. DONTT DESPAIR because al <br> RUPTURE <br> the MEDICINE Ting WORLD  nstantly increasing. Ir the directions are followed 1 in never fall we purtuculariy invite the attention of ind <br> GRANULA <br> =

ing remarkable illustration of maternal
devotion among animals, as having recent-


| Chicago, March 15, A. D. ४88. |  |
| :---: | :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| w. leffinawel |  |
|  |  |
| Subscribers in arrearss are respectfrully requested to remit at their earliest concenience. The very lono price at which the paper is now published renders necessary " rigid enforcement of the rule of payment in advance. The label gives date of expiriration. If the number thereon is 2sio or anything belone, then you are in arrears. |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

## THE DEATHOF BINHOP

The good Bishop of Nebracka, after a
brave battle with disease. has closect a
noble and success ful career, and now noble and successful career, and have watched and waited, in hope to
hear that the iron nerve and rivorone
constitution of thein loved fricmo and
father hald prevailed, lyy coml's help, in

 Harper Clarksom, Doctor and Bishop,
has been callled from hit warthy tevwart.
ship. The youme diocerer which has jut
 its borders:
land must
 Chureh
and pra

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## equal

thies. His cheerfulness was equal th his
courge, and lis ability to work wate
equal to his capacity of hoppe. Brave equal to his capacity ef hope. hrave,
patient, modest, fervent, he won all
hearts, and seemed to aceomplish all that he undertook full course. St. James, Chicago, is the early manhood, and the new diocese of its schools and charitable organizations and its magnificent Cathedral, is the
crown of his later labors. His memory will be gratefully cherished by thousand: who have been blessed by his pastoral
care, by greater numbers who have rejoiced in his successful episcopate, and unsparing toil and unselfish devotion the cause of Christ and the Church. "For all Thy Saints who fron their labors rest
Who Thee by faith before the world confessell
Thy Name, O Jesu, be forever blessed."

## Day by day the spiritual seed-time

 the year is shortening. Mid-Lent near, and Easter-even with its solem close this annual epitome of human life From Septuagesima we counted seventy days to Easter, as from the hour of in fancy we reckon seventy years for the span of human life. As it is with us inLent so it is likely to be with us in life If we pass the meridian without increase of attainment in spiritual things, w have 11 ther around us. Awake, $O$ slumbering soul, to the fact that now is the acceptable time, now is the day of salvation.

| Church is honeycombed with unbelie has been reprinted in several pape and is accepted by them as a semi-oflic statement of the condition of things our Communion. The Luthereu solem observes that the day of visitation is hand for our "denomination." We w sorry to see an article so sweeping in statements put forth by a Church pap we regret it all the more on secines published far and wide among those have no opportunity of correcting its aggerations. $\qquad$ <br> A writer in (Yuncth Bells pleads unifurmity in the selection of tunes. that a well adapted tume may alway used for the same hymu and for only. By always alhering to the sa tune for a hymn, if it is suitable, |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |




"Lent is the period for anticipation,
which is said to be better than posses-
colors for Ea

$\qquad$

remedy for sin. The message of God pursuit of pleasure or profit men do like to be interrupted by calls
$\qquad$not want to hear that there is somethingradically wrong about themselves. Theygard the remonstrances of the clergy aan impertinence, and look upon the restraints and discipline demanded by theChurch as superstitious folly. But alpostulation are heard around the worldpostulation are heard around the worlddies away. The call to prayer is heard
$\qquad$
$\qquad$ cometh whether men desire it or no
distinguishable as to, timulating effecThat could not be in one case out of
miliar with the taste of wine. The fla-
as
the flavor of mild wine. We do not b
lieve that there is danger to cony ome in
sip of wine, received in remembrance of
Christ's meritorious Cross and PassionBy no possibility can it be followed immediately by indulgence, nor by anypossibility can it act as a sensible stimulant even for a moment. We can nopossibility, the foly Sacrament, by ansnare, to those who worthily and rever
ently use It. This agitation against the
ase of wine therein, is a species ofnaticism that Mr. Cook has unfortunatel
$\qquad$
T ..... country have been invited, by the Scottish
the latter, in the services to be held in
Bishop Serury it consecrationthat a large nu
ful invitation.

moed hy the frequent isits of their Bish-
represent him. "To come once in
Bishop is looked forward to for weelpeople feel that they are a partion of thegreat organism and related to the ChurchCatholic. If one member suffers, all themembers suffer with it. The weakestthough feeble it is necessary. We callourselves "Episcopal," but in manyWe commend the above as an argumentfor small dioceses. It may serve, also,or small dioceses. It may serve, also,
o encourage our Bishops to persevere invisiting unpromising fields, in hope ofsowing good seed and strengtheningweak foundationstract issued in Indianapolis which saythat the Latin and Greek Churches stillhold to errors. The writer thinks thatthe Greek Church holds no Creed, otherthan that of the undivided Church. "Ishis the case with the American Church?"We retain an interpolation,(the Filioque).If in the first instance it was wrong, it iswrong now. "So long as we retain thiserror in belief, let us not point at theerrors (which are not of belief) of thepoints as made by our correspondent, butcan not give space for discussing, thequestion of the Filioque. Such subjectsare best treated in magazines and re-"Benefaction" pleads for the restora-
"extreme unction," of the Roman Church, which is used as a preparation for death.
The argument for anointing, rests upon The argument for anointing, rests upon St. James v., 14, 15, and primitive cusrite was intended to be permanent, as much as singing of psalms when one is merry, and praying when one is afflicted. He quotes Ephraim Syrus, of the fourth century, who mentions this rite as then
in use. Bengel mentions the gift of
healing, as aways to remain in the healing, as atways to remain in the
Church. Blunt thinks that St. Paul Church. Blunt thinks that st. Paul work of the Church, apart from "miraIn the year 416 , Innocent I. men mointing the sick, as a rite then existing, and in the Sacramentary of
Gregory, A. D., 590 , there is a rubric directing it. Cesarius of Arles refers to it, and many writers through the middle ages. As late as 1552 , the Church of England had an office for anointing the sick. The fact that so many Christians in these days are using prayer and the imposition of hands for the healing of
the sick, should cause us to sive thoughtful attention to this primitive and scrip-
$\qquad$ plains of an allusion, by one of our cor-
respondents, to a "venomons asaut made upon the Masonic order, by the authorities of the Roman Church, and lous by endeavoring to enforce its rules?"
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$ rathering among the Feast of In ed in this month. At this time the pro-
ducts of the earth are mostly gathered, and at a later date no opportunity is af forded for out-door festivities, and mate
rials for decoration are wicare
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$ would be obliged to you, if you would read your part of the service somewhat up my own." He had no further trouble with that congregation. While all cler can all read the service with distinet ar iculation and reverential manme

The editor of a Church paper becomes ad trials of his brethren, in the course of his correspondence, and if he has any gmathy left after the heartless criticism that he receives, he longs to be of
service to those who pour out their grief to him. Naturally he hears more of the or the former are in more constant com munication with him. He knows, too profitable enterprise by which they may help themselves, and that the only help or them is in the liberality of the laity This may explain and excuse the somewhat frequent allusions made
these columns to the pressing needs of faithful pastors and missionaries.
A private letter from one of our Do mestic Missionaries suggests what seems should be made. We believe that statement of the case will awaken sufficient interest to inaugurate a movement for relief. The writer of the letter re ferred to has been for many years a and for 26 years his wife had not been able to visit her old home and relatives. By the generosity of a clergyman, who
paid her expenses, she has recently been able to visit one of her children in Ala bama; but her husband, though ill for brief vacation would have been a great The For wis
The Foreign Missionaries of the Church have their vacations every few
their friends and relatives, and to re-
cruit their health. The thought arises,
why is not something done by the
Church, or by wealthy members of it,


$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$

|  | age. |
| :---: | :---: |
| The question as discussed in Philadelphia, | and the opportmity |
| ave encountered two | be neglected. In many parts of th |
| under the one head of "inexpedi | and conspichously in New England, old |
| rst the difliculty of selecting am apmoprisubstitute for our present misleading | things are passing away, and the ligious upheaval which is seekin |
| le: secondly, the prejudice to he overcome | unity in somerthin |
| By adopting "The Anclo-Catholic. Chumed | estant idea of volin |
| L'nited states of America," we shonld | (1) |
| the first place state the truth; in the serand, involve a change of only two words: | Photematat Elacomat |
| irdly, should not "arrogate too much to |  |
| elves," but simply desigı |  |
| glican Mother and with the |  |
| cha of dionl. as well as preserve |  |
| al |  |
| ould observe the precedent of another | Churchat the following rates, It will be |
| anch of the Catholic Church, thre Latin | thus accrue |
| munion, which by the Council of Tre |  |
| sumed as its official and true title t |  |
| Roman Catholic Church." For the sake |  |
| brevity, we might likewise call ourselves |  |
| atholics. The chief objection urged to this |  |
| oposition in 1883 was that it would al |  |
| us from Protestant Christians. |  |
| $r$ first duty to God, to ourselves and to |  |
| er Catholic Christians? It is said that a |  |
| years since on inquiring the name of |  |
| Church in the United States-reflectiv |  |
| marked: "Protestant," "Protestant" |  |
| hat means heretic," "Episcopal," "Epis") "Whoever heard of a Church that |  |
| s not Episcopal!" That we should vol- |  |
| arily have assumed the name of "The | $\begin{aligned} & \text { no } \\ & \text { Bi: } \end{aligned}$ |
| retical Episcopal Church" appeared to | to Ordination, persons so baptized. |
| n surpassingly strange. And this is said | nishes to our minds a complete niswer to your arkuments; |
| have been the prevailing opimon of mil- | "-The first arkument in favor of lay baptismin is from the |
| ins of Greek Christians. Happily the gon- |  |
|  | Ter |
| ce and our m |  |
| moved by the Bonn and other Continental |  |
| Conferences, and we have recently had the |  |
| markable spectacles of the Proto-pope of |  |
| stantinople uniting in a celebration of |  |
| Holy Encharist with an Anglican priest |  |
| a quiet English church, Bishop Herzog |  |
| lebrating in Trinity church, New York, |  |
| ere Hyacinthe claiming for the Gallican |  |
| urch the protecting shade of the Engl |  |
| ed aga |  |
| ok upon, and lastly, the reception |  |
| ngr. Savarese into the American Cath |  |
|  |  |



## CHURCH BOOKS

Doctrine and Duty,

For Plain Preaching and Lay Reading.
Short Sermons
Old Paths. A Course of Sermon* for the Christian Year. \&vo, cloth,. 2.00
Warning and Teaching. A Course of Sermons for the Chris-
Every Sunday. A Course of Sermons for the Christian Vear. . . . . . 2.00
Golden Truths. A Course of Sermons for the Christian Year, with a

The Rev. Irr. Joseph Cross's Sermons.
Old Wine and New. Occasional Discourses. 1 vol. $12 m o$, cloth. . 1.50
Pauline Charity. Diseouses on the Thiteenth Chapter of St. Paul's
First Epistle to the Corimthians. I wol. 12mo, cloth.................. 1.50

Coals From the Altar

Evangel

Knight-Banneret.

# EASTER CARDS 

Skeen \& Stuart Stationery Co
77 Madison St., OFICAGO. James Pott \& Co.'s List.

Tomatiman l inatione





 Thowit
Howatet
how to

Catalogue on application.
James Pott \& Co., Church Publishers,
The Rev. C. F. A. BIELBY,
ORANGE WIIl make und care for OROVES
nom,

We have prepared a Catalogue of Standard Books and Recent Publications particularly adapted to the Season of Lent, which we will send post free to any address on application.

## JANSEN, McCLURG \& CO

## nicago.

Price 25 cents, free by mail Tales of Christian Heroism

|  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | 190,000 SOID, | (1) 4 MRXAS HARI AND RANGTH, (1) |  |
| Energy in Nature. By Wm. Lant Carpenter. B. A., B. Se. New York: Cassell \& Co.: Chicago; Jansen, | infading. in his native country, as Farrants' $T$ | THE LIVING CHURCH TRACTS. |  |  |
| Wm. Lant Carponter is the son of Dr. Gicmen |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| us. In the words of the author the lectir |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | No. 16.-At His Best. Sth thousand. <br> Sccond Serics by Varwous Authors. |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | No. 17.-The Churen that th neta seet. Rec. w. $T$. watu <br>  <br>  | St. gabrielis school, "THE YOITNG CHITRCEMAN" |  |
|  |  |  | Peekskill, n. Y.a boarding school for girls. |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | Racine college, Racine, wis. |  |
| Where one form of enerry is excited on ex- at ists, mmuy others are also set in action: it |  | ct ar himata orders ti <br> The Living Church Company, Chicago, Ill. |  |  |
| lence, probably, all are modes of motion. in |  |  |  |  |
|  |  | FATTH CURES <br> The editur of the Kentucky Cluorel chornche thus answers a corressumulent who deends raith-cure establishments. The lian.: |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | ian. |  |  |
|  |  | to the meanius of Holy cripture, who an- |  |  |
|  |  | nomeres in adsance that she "will take no man's ipsic dixit as to what the bible teachon: however. we would suggest that while the Bible is filled with promises to answer |  |  |
|  |  |  | SHATTICK SCHOOL, |  |
|  |  | prayer, to have our prayers answered is a very different thing from having our wishes gratified: that faith in prayer is a very different thing fom paser in faith: that the |  |  |
| reating for both the unse erentite thenowegian er |  |  | VEbMont merncopal institute, Burlingtom, $\mathrm{v}^{2}$. |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | ferent thing from payer in faith: that the precept in James r: 1 : is mot th fomme : |  |  |
|  |  | "Faith-C'ure". hut to "call for the elders of the "hurdh:" that. however plain Jumes Church interpreted it differently: witness. | The Rt. Kev. W.II. A. Bissell, Rector-in-chief. Family |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Chureh interpreted it differently: witness I Timothy, $\because \therefore$ Philemon ii: 3- II: II Corin- <br>  |  <br> S'MMER Class FOR boys. |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | dured ill health, or recommended wine as a remedy to Timothy, or left Trophimus at |  |  |
|  |  |  | I) V (ealix colletie, |  |
| 1 |  | Miletum when he sorely needed helpers, or |  |  |
| - |  | suffered Epaphroditus to linger throngh a long sickness: nor would the useful Ioreas |  <br>  | yet the print is so clear that they can readily be used." Can be obtained of all booksellers, or will be sent on re <br> THOMAS NELSON \& SONS, <br> Osford Bible Warehouse, 4. Bleecker Street, NEW YORK. |
|  |  | have been given over to death, if it had only been necessary to pray over the sick and |  |  |
|  |  |  | Iome boardinge Astury Park, N.J. |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | St. James mlitary academy, <br> Maron, Mo. <br> A 'HURCH SCHOOL FOR BOY <br> Boyshne superior, location healthful. Terms, Fiana year <br> Rev. ETHELBERT TALBOT. A. M., Rector. | THE SPIRIT OF PRAISE |
| admiraby summed up in the words of sir sir |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | mat |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Mosem |
|  |  |  |  |  |
|  |  | fact, and has been so eliectually demon strated that no one to-day denies it, that Hood's Sarsaparilla eontains more real med- |  |  |
|  |  | cinal value than any article before the people. | school of mesic, art, lavgidaes, ${ }_{3} 33$, Jarvis St.. Toronto, Canada. | THE PRIZE ANTHEM B00K. <br>  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | 4116 SPRUCE ST., Philadelphia, PA. |  |
| make the book. just what it claims to be, a life of the King, rather thar of Prederic |  |  |  |  |
| the man. The best part of the book to our |  |  |  | NARD'S SONS, Publishers, Cleveland, 0 . |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  <br>  |  | Chinese Classics. |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | emper hall, |  |
| H |  |  | Kenosha, Wis. |  |
|  |  | HOOD'S SARSAPARILLA Works through hhe blood, remulating, toning and invioporatinn all the tunctions of the body. <br>  | A Boarding School forgirls under the charge of THE SISTERS OF ST. MARY. | Sesame and Lilies. |
|  |  |  |  | By JOHN RUSKIN, author of "Modern <br>  |
|  | of Haerstraw. on the thiritieth anniversary |  | JOHN BAPTIST SCHOO |  |
| Divine worship, will rejoice at the issue of these wo voumes, each of which forms "Volume first" of a series that Mr. Hutch- |  | JAMES PYLES <br> THE BEST THING KNOWN <br> Washing and Bleaching <br> In Hard or Noft, Hot or Cold Water. SAVES LABOR, TIME and SOAP AMAZ- INGLY, and gives univergal satisfaction. NC family, rich or poor, should be without it. Sold by all Grocers. BEWARE of imitations. will Well deaigned to mislead. PEARLINE is the ONLY SAFE labor-saving compound, and al- way beark the above symbol, and name of Ways bearn MES PYLE. NEW YORK. |  ST. HILDA'S SCHOOL, | Crown of Wild Olive. <br> By JOHN RUSKIN. Three Lectures on |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | - Ethics of the Dust.ву john ruskin. Ten Lectures; 1 , the |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| , |  |  |  |  |
| 10 |  |  |  |  |
| m the edito |  |  |  |  |
| tion, J. Sebastian, B. Hodges, Dr. H. S. Cutler, J. H. Iopkins, J. C. Warren, S. B. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |





| very. By his machinations there cam e Dominis an offer of pardon for all $h$ actions against Rome, and the inform that upon lis return, the Pope Gregol would bestow upon him the bishopr alerno in Naples, worth 12,000 crowns re his eyes. The temptation was irre Hle. De Dominis recanted lis forme ions, secretly sulsseribed and committ sulumission to the see of Rome, and demar at once showed all the documen ing James, and thus convinced him real character of De Dominis. Just time. however, the Arclhbishop of Yo Fuller, was again falsely reported to Salercuo. and sul De Dominis becaun of York. He was repulsed hy Kin ted His Majesty to, grant him leave the Kingtom and return to Italy. II |
| :---: |

## 



at

$\begin{array}{ll} & \begin{array}{l}\text { th } \\ \text { at }\end{array} \\ \text { at } \\ \text { lit } \\ \text { lit } \\ \text { th } \\ \text { ni }\end{array}$this veteran Churched obititary and atice of oantifu
littue memorial poem, both from the pen of
the Bishop. First, by the inheritance ofWe hope that we shall not be misunder-
stood. We admit to the fullest extent that
a noble architecture, a splendid, ritual, and
a wealthy clergy, do not in themselves con-
stitute vital Christianity. It is only tooin goods, and apparently having need of
nothing; and yet to be wretched, and miser-able, and poor, and blind, and naked. On
the other hand, it is an amazing blunder to
the worship of God and for the maintenance
of His ministers, is of itself a p
rupt following of the Apostles.The Church AND the Bible.-The
Church Catholic has received the sacred
writings, and has always held to two dog-its iexerey



the great itreverence to leave avoided were the
cmitamination of the Elements in our stom-
ach ly contact with common food previously





## San Antonio, Ordination.- $A$ t the cathedral

 ay in Lont, the Rev. Rorning of the first Sun- Ticknor, Deacon,was advanced to the Priesthood by the Mis-
 Nou Lomdon.-The Rev. W. B. Bucking
ingham, Rector of St. James parish New
London, has a Prayer Book used by Bishop
Seabury as early as 175.2, with the prayer for
the president in the original manuscript, seabury as early as 1785 , with the prayer for
the president in the oriminal manuscript,
pasterdover the prayer for the king. Arch-
deacou Hallan, a former rector, used to
show in old






-



Ine



 costhe
cese
cel
leen
beno
tho
that
lat
thority of the diocese. Was founded by the
late Rev. W. Tillinglast. whose tragic
death by accidental shooting at the hand
vices of the Church according to the ad-
vanced type in the parlors of his residence
746 Fort street, not far from Holy Trinity


| vigorous,self-sustaining and thriving parish. <br> The visitation offering was devoted to diocesan missions, and was the largest ever parish. <br> Centrie vew york <br> Romulus.-From a private letter, we leari that the mission at this place, under the en ergetic rector of St. Andrew's church. at Dey's Landing, who has charge of two othe parishes, is in a flourishing condition, and : good class for Confirmation is preparing for the anticipated visit of Bishop Huntington. The new chureh is to be called St. Stephen's. Since the corner stone was laid in November last. enough money has been raised to put up the frame, siding and root. This will ex hatst all the funds already secured, "but, says one |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

Preston, Kean \& Co. BANKERS, 100 Washington street,
"The Metropolitall National Bank,

|  |
| :---: |

Cox Sons, Buckley \& Co.

253 Fifth Avenue, New York.



## 

## Mitchell,

Vance \& Co
PIANOFOR'TE
Tone, Touch, Workmanship and Durability. WILLIAM KNABE \& CO.

INVESTORS


Church Embroidery

## W. H. WELLS \& BROTHER, COMPANY

 STAINED GLASS WORKS

RIDGE'S FOOD.
Clinton H. Meneely Bell Company,
 MeSHANE beLl FOUNDRY
 MENEELY BELL FOUNDRY


 $\mathrm{J}_{\mathrm{W},}$ BARROW $\&$ SON,



## At Lowest Prices.


$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$
$\qquad$

